Report on The Golden Jubilee Celebration

The Golden Jubilee celebration began at the Government Postgraduate College, Berinag from 15.10.2025 to 16.10.2025. The college was established in 1975. This year it completed 50 years. A two days celebration programme organised to honour 50 glorious years of the college. The programme was conducted in 4 sessions. On the first day of the programme, the chief guest was Professor R.S. Bhakuni Deputy Director of Higher Education Uttarakhand. The programme was inaugurated with a lamp-lighting ceremony. Professor B. M. Pandey, the principal of the college welcomed all guests. In his address, Professor R. S. Bhakuni said that the college has made significant progress over the years. He appreciated the academic and cultural achievements of the college and said that such events help enhance creativity, confidence, and social development among students.

The first session began in 10:00 AM with the goddess Saraswati Vandana. Dr. Sunil Pant from the history department presented Safarnama, the history of the college through a concise report. Students who achieved top positions in competitions were awarded with prize and certificates. Dr. Deepa Pant from Hindi Department throwed light upon the best practices of the college like English speaking course, UPSC coaching, Mashroom Cultivation ETC. In the first session Professor Siddheswar Singh also talked about the history, beauty of the college throughout the years. He appreciated the involvement of the staff members in this programme. Economics department organised Hat Bazar, where all the students through stalls presented different local food items. Vigyaanshala students also presented their prototypes. Dr. Liladhar Mishra was conducting the programme.

The second session of the first day begin around 2PM. The chief speaker of the session was Mr. Kishan Singh Malda, a 67-year-old environmentalist who has planted over a million trees in his lifetime. Inspired by his mother's words in childhood, he has created a large forest with hundreds of plant species near his home in Bageshwar. He provided students with important information related to forest resources and spoke about environmental conservation in detail. Students who achieved top positions in competitions were awarded with prizes and certificates. The programme was conducted by Miss Rashmi Selwal. All the faculty members, staff, and students were present at the event.

The Second Day

The chief guest on the second day , first session was Union Minister of State Mr. Ajay Tamta. The special guests were Professor B. N. Khali, Director of the Higher Education in Uttarakhand, Professor C. D. Suntha , Former director of Higher Education of Uttarakhand, Professor Hitesh Kumar Joshi. Mr. Dhan Singh Rawat, State Education Minister of Uttarakhand also joined through online mode and congratulated the whole college for golden Jubilee. Mr. Ajay Tamta highlighted the educational history of Uttarakhand and said that earlier, girls' education was not given much importance, and parents often hesitated to send daughters to school. Today, through education, girls are achieving recognition in every field. He talked about Laxmi Tamta, who was the editor of Samta Newspaper. He said that along with education, preservation of culture is also necessary. Dr. B. S. Bisht from Chemistry Department was awarded with the 'Best Teacher Award'. He shared his five-year experience of service at the college.

Dr. Sunil Pant from History Department presented Safarnama, the history of the college through a concise report. Students who excelled in various activities were awarded. Chief Guest Ajay Tamta congratulated everyone on completing 50 years of the college. Principal Prof. B.M. Pandey expressed gratitude and said the college has always contributed to the region's development. Several dignitaries were present: Prof. Hitesh Kumar Joshi, former MLA Meena Gangola, BJP Mandal President Dheeraj Bisht, District Panchayat member Ritik Pandey, Journalist Prakash Ganewal, BJP leader Mr. Darpan Kumar, and many others. Prof. B.P. Khali said the college has its own historical identity. Over the past 50 years, countless students from this college have brought pride to the region by achieving great heights in their careers. He said the institute has played a major role in spreading higher education in the region.

Prof. C. D. Suntha stressed the importance of including spiritual and personality-development education along with classroom learning. Students presented colourful cultural programs and participated in different programs such as Poster competition, Photography Competition, Aipan competition etc.

The second session begin around 2PM and it ended around 6PM. Students presented different cultural programs such as Nepali, Rajasthani, Thumri, Kumaoni dances. Everybody enjoyed the performance. Miss Rashmi Selwal conducted the cultural Programs.

The two-day Golden Jubilee Celebration was successfully conducted with active participation from guests, faculty, students, and staff. The programme highlighted the college's 50-year journey through inspiring speeches, cultural performances, student awards, and departmental presentations. The event not only honoured the institution's achievements but also motivated everyone to continue contributing to its growth. Overall, the celebration was meaningful, well-organized, and a proud milestone in the history of the college. IQAC and IAC jointly contributed for the success of this program.

IMAGES-

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पिथौरागढ़ (उत्तराखण्ड)
स्वर्ण जयंती समारोह

जकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेरीनाग, पिथौरागढ़ (उत्तराखण्ड)

जकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेरीनाग, पिथौरागढ़ (उत्तराखण्ड)

2025

राजकीय स्नातकोत्तर महा
सजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेरी
स्वर्ण जयंती
15 एवं 16 अक्टू
आप सभी का हार्दिक स्वा

NEWS

महाविद्यालय में स्वर्ण जयंती समारोह का हुआ शुभारंभ

बेरीनाग, संवाददाता। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पचास वर्ष पूरे होने पर स्वर्ण जयंती समारोह का शुभारंभ हुआ। बुधवार को प्राचार्य प्रो. बीएम पांडे की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुए।

मुख्य अतिथि के रूप में उप निदेशक (उच्च शिक्षा) प्रो. आरएस भाकुनी व विशिष्ट अतिथि प्राचार्य गणाई गंगोली प्रो. सिद्धेश्वर कुमार सिंह रहे। उप निदेशक भाकुनी ने महाविद्यालय के पचास वर्ष पूरे होने पर बधाई दी। विशिष्ट अतिथि प्रो. सिंह ने महाविद्यालय की कार्यप्रणाली की सराहना की। डॉ. सुनील पंत ने महाविद्यालय के पचास वर्ष का संक्षिप्त इतिहास सफरनामा के माध्यम से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में मुख्य वक्ता वृक्ष मित्र किशन सिंह रहे। विभागीय गतिविधियों में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य पाण्डेय ने कहा कि स्वर्ण जयंती समारोह गौरव की अनुभूति करा रहा है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लीलाधर मिश्र व डॉ. रश्मि सेलवाल ने किया।

बेरीनाग महाविद्यालय में दो दिवसीय स्वर्ण जयंती समारोह का शुभारंभ।

रूद्र टाइम्स

बेरीनाग (पिथौरागढ) राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेरीनाग मे प्राचार्य प्रोफेसर बी.एम. पाण्डेय की अध्यक्षता मे दो दिवसीय स्वर्णजयंती समारोह का शुभारंभ हुआ। स्वर्णजयंती समारोह के प्रथम दिवस पर मुख्य अतिथि उप निदेशक(उच्च शिक्षा) प्रोफेसर आर. एस. भाकुनी तथा विशिष्ट अतिथि प्राचार्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गड़ाई गंगोली प्रोफेसर सिधेश्वर कुमार सिंह रहे। डॉ. जे. एन. पंत ने समस्त अतिथियो का स्वागत किया। कार्यक्रम मे उप निदेशक(उच्च शिक्षा), उत्तराखंड प्रोफेसर भाकुनी ने अपने उदबोधन में महाविद्यालय के पचास वर्ष पूर्ण होने पर बधाई देते हुए उच्च शिक्षण संस्थानो मे पठन–पाठन के साथ–साथ विद्यार्थियो के सर्वांगीण विकास हेतु अन्य गतिविधियां जैसे क्रीडा प्रतियोगिता, कौशल

विकास आदि को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने महाविद्यालय मे की गई अपनी पूर्व सेवा के अनुभव को साझा किया। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर सिद्धेश्वर कुमार सिंह ने महाविद्यालय की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए महाविद्यालय को एक प्रगतिशील संस्था के रूप में बताया। कार्यक्रम मे डॉ. सुनील पंत ने महाविद्यालय के पचास वर्ष का संक्षिप्त इतिहास सफरनामा के माध्यम से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र मे मुख्य वक्ता वृक्ष मित्र श्री किशन सिंह रहे। उन्होंने विद्यार्थियो को कृषि संबंधी जानकारी प्रदान की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के बारे में विस्तृत व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में विभागीय गतिविधियो में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियो को पुरस्कार वितरित किये गए। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर बी.एम. पाण्डेय ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में बताया कि स्वर्ण जयंती समारोह हम लोगों को गौरव की अनुभूति करा रहा है। उन्होंने महाविद्यालय के चहुमुंखी विकास की ओर अग्रसर रहने की बात कही। उन्होंने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि समेत कार्यक्रम मे उपस्थित समस्त अतिथियो को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लीलाधर मिश्र तथा डॉ. रश्मि सेलवाल ने किया। कार्यक्रम मे महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

35 विद्यार्थियों
वाई दी

ैत महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय बेरीनाग की ऐतिहासिक पहचानः अजय

दो दिवसीय स्वर्ण जयंती समारोह का समापन

बेरीनाग। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेरीनाग में प्राचार्य प्रोफेसर बी.एम. पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित स्वर्णजयंती समारोह के दूसरे दिन स्वर्ण जयंती समारोह का समापन हुआ। समारोह के द्वितीय दिवस पर मुख्य अतिथि अल्मोड़ा संसदीय क्षेत्र के सांसद अजय टम्टा केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री और विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा निदेशक, उत्तराखंड प्रोफेसर बी. एन. खाली, पूर्व उच्च शिक्षा निदेशक प्रोफेसर सी. डी. सूंठा मौजूद रहे। इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री अजय टम्टा ने कहा में स्वर्ण जयंती के अवसर पर बधाई देते हुए उत्तराखंड के अतीत के शिक्षा सुविधाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने नारी शिक्षा पर जोर देते हुए बताया कि पुराने समय में किसी भी बेटी को स्कूल जाने से मन किया जाता था।आज के समय में बेटियां शिक्षा के माध्यम से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने देश की समृद्धि पर विस्तृत चर्चा की। बेरीनाग महाविद्यालय से पढ़ाई करने वाले छात्र छात्रायें आज उच्च पदों में आसीन होने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं जो इस क्षेत्र के लिए गौरव है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि निदेशक बीएन खाली ने कहा महाविद्यालय के पचास वर्ष पूर्ण होने पर बधाई देते हुए महाविद्यालय को निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर होने की शुभकामनाएं दी। उन्होंने शिक्षा के साथ–साथ संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन की बात कही। पूर्व निदेश प्रोफेसर सूंठा ने कहा कि

व्यक्तित्व विकास हेतु आध्यात्मिक शिक्षा पर भी ध्यान केंद्रित करने की बात कही। उन्होंने महाविद्यालय में चार वर्ष की सेवा का अनुभव भी साझा किया तथा कौशल विकास को बढ़ावा देने की बात कही। कार्यक्रम में डॉ. सुनील पंत ने महाविद्यालय के पचास वर्ष का संक्षिप्त इतिहास सफरनामा के माध्यम से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विभागीय गतिविधियों में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किये गए। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ. बी.एस. बिष्ट को बेस्ट टीचर अवार्ड से मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। द्वितीय सत्र में महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा डॉ. अंजली देवी यादव के नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर बी.एम. पाण्डेय ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में शिक्षा के साथ–साथ संस्कारवान होने की बात कही। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर हितेश कुमार जोशी, पूर्व विधायक मीना गंगोला, ज्येष्ठ प्रमुख धीरज बिष्ट, जिला पंचायत सदस्य रितिक पांडे, जिला प्रचारक गणेश, भाजपा नेता दर्पण कुमार, दिनेश आर्या, इन्द्र धानिक, त्रिलोक खाती, दीपक धानिक, दीपक नवेलिया, चारू पंत, धीरज रौतेला, गणेश रावत, हीरा सिंह कार्की, किरन मियांन, विमलेश पंत तहसीलदार। वतन गुप्ता, बीडीओ बसंत पांडे सहित आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लीलाधर मिश्र तथा डॉ. रश्मि सेलवाल ने किया। इससे पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा विवेकानंद की मूर्ति पर पुष्प अर्पित करने के साथ ही पौधारोपण भी किया। बेरीनाग पहुंचने पर भाजपा नेताओं ने केन्द्रीय मंत्री का जोरदार स्वागत किया।

शिक्षा के माध्यम से हर क्षेत्र में पहचान बना रहीं बेटियां

- बेरीनाग महाविद्यालय के दो दिवसीय स्वर्ण जयंती समारोह का समापन
- केंद्रीय मंत्री अजय टम्टा रहे मुख्य अतिथि, बोले-महाविद्यालय की अपनी ऐतिहासिक पहचान

सांस्कृतिक टीम के साथ केन्द्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा

बेरीनाग। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेरीनाग में चल रहे स्वर्ण जयंती समारोह का समापन गुरुवार को प्राचार्य प्रो. बीएम पाण्डेय की अध्यक्षता में हुआ। समारोह के द्वितीय दिवस के मुख्य अतिथि अल्मोड़ा संसदीय क्षेत्र के सांसद एवं केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा तथा विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. बीएन खाली और पूर्व निदेशक प्रो. सीडी सूंठा रहे।

केंद्रीय मंत्री अजय टम्टा ने महाविद्यालय की 50वीं वर्षगांठ पर बधाई देते हुए कहा कि बीते वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन आया है। उन्होंने नारी शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि आज बेटियां शिक्षा के माध्यम से हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। टम्टा ने कहा कि बेरीनाग महाविद्यालय से निकले छात्र-छात्राएं आज विभिन्न उच्च पदों पर कार्यरत हैं, जो क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। प्रो. बीएन खाली ने महाविद्यालय को निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहने की शुभकामनाएं दीं और शिक्षा के साथ संस्कृति के संरक्षण पर बल दिया। प्रो. सूंठा ने व्यक्तित्व विकास के लिए आध्यात्मिक शिक्षा और कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डाला तथा अपने चार वर्ष के कार्यकाल का अनुभव साझा किया। कार्यक्रम में डॉ. सुनील पंत ने महाविद्यालय के 50 वर्षों की उपलब्धियों का सफरनामा प्रस्तुत किया। विभागीय गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। रसायन विज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ. बीएस बिष्ट को मुख्य अतिथि ने बेस्ट टीचर अवार्ड से सम्मानित किया। द्वितीय सत्र में डॉ. अंजली देवी यादव के निर्देशन में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लीलाधर मिश्र एवं डॉ. रश्मि सेलवाल ने किया। अंत में प्राचार्य प्रो. बीएम पाण्डेय ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में शिक्षा के साथ संस्कारों के समावेश पर बल दिया। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने वर्चुअली छात्रों को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के विकास कार्यों की जानकारी साझा की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. हितेश कुमार जोशी, पूर्व विधायक मीना गंगोला, ज्येष्ठ प्रमुख धीरज बिष्ट, जिला पंचायत सदस्य रितिक पांडे, जिला प्रचारक गणेश, भाजपा नेता दर्पण कुमार, दिनेश आर्या, इन्द्र धानिक, त्रिलोक खाती, दीपक धानिक, दीपक नवेलिया, चारू पंत, धीरज रौतेला, गणेश रावत, हीरा सिंह कार्की, किस मियांन, विमलेश पंत, महेश पंत, तहसीलदार वतन गुप्ता, बीडीओ बसंत पांडे सहित आदि मौजूद रहे। संचालन डॉ. लीलाधर मिश्र तथा डॉ. रश्मि सेलवाल ने किया। इससे पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय टम्टा ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और पौधरोपण भी किया। बेरीनाग पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

छात्र संघ पदाधिकारियों को नहीं मिला मंच

बेरीनाग। स्वर्ण जयंती समारोह में छात्र संघ पदाधिकारियों को मंच नहीं मिलने पर छात्र संघ अध्यक्ष हिमांशु बोनाल और छात्र महासंघ अध्यक्ष तिलकराज पाठक ने नाराजगी जताई। उन्होंने महाविद्यालय पर छात्र संघ की अवहेलना करने का भी आरोप लगाया। कहा कि दो दिवसीय समारोह में छात्र संघ को सम्मान नहीं दिया गया। वहीं, पूर्व छात्र संघ के पदाधिकारियों ने भी स्वर्ण जयंती समारोह पर आमंत्रित नहीं किये जाने पर नाराजगी जताई और उच्च शिक्षा मंत्री व सीएम से इसकी शिकायत करने की बात कही।

बेरीनाग महाविद्यालय में रंगारंग कार्यक्रम के साथ हुआ दो दिवसीय स्वर्ण जयंती समारोह का समापन

रूद्र टाइम्स

बेरीनाग (पिथौरागढ़) राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेरीनाग में प्राचार्य प्रोफेसर बी.एम. पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित स्वर्णजयंती समारोह के दूसरे दिन स्वर्णजयंती समारोह का समापन हुआ। समारोह के द्वितीय दिवस पर मुख्य अतिथि अल्मोड़ा संसदीय क्षेत्र के सांसद अजय टम्टा केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री(भारत सरकार) तथा विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा निदेशक, उत्तराखंड प्रोफेसर बी. एन. खाली, पूर्व उच्च शिक्षा निदेशक प्रोफेसर सी. डी. सूठा तथा प्रोफेसर हितेश कुमार जोशी रहे।इस मौके पर उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने ऑनलाईन माध्यम से अपना उदबोधन दिया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में स्वर्ण जयंती के अवसर पर बधाई देते हुए उत्तराखंड के अतीत के शिक्षा सुविधाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने नारी शिक्षा पर जोर देते हुए बताया कि पुराने समय में किसी भी बेटी को स्कूल जाने से मन किया जाता था।आज के समय मे बेटियां शिक्षा के माध्यम से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने देश की समृद्धि पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि निदेशक(उच्च शिक्षा), उत्तराखंड प्रोफेसर खाली ने अपने उदबोधन में महाविद्यालय के पचास वर्ष पूर्ण होने पर बधाई देते हुए महाविद्यालय को निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर होने की शुभकामनाएं दी। उन्होंने शिक्षा के साथ–साथ संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन की बात कही। पूर्व निदेशक(उच्च शिक्षा) प्रोफेसर सूंठा ने अपने उदबोधन में व्यक्तित्व विकास हेतु आध्यात्मिक शिक्षा पर भी ध्यान केंद्रित करने की बात कही। उन्होंने महाविद्यालय में चार वर्ष की सेवा का अनुभव भी साझा किया तथा कौशल विकास को बढ़ावा देने की बात कही। कार्यक्रम में डॉ. सुनील पंत ने महाविद्यालय के पचास वर्ष का संक्षिप्त इतिहास सफरनामा के माध्यम से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विभागीय गतिविधियों मे स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किये गए। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ. बी.एस. बिष्ट को बेस्ट टीचर अवार्ड से मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। इसके उपरांत द्वितीय सत्र में महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा डॉ. अंजली देवी यादव के नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर बी.एम. पाण्डेय ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में शिक्षा के साथ–साथ संस्कारवान होने की बात कही। उन्होंने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि समेत कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लीलाधर मिश्र तथा डॉ. रश्मि सेलवाल ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।